बजट अनुमान 2014-2015

वर्ष 2014-15 का बजट अनुमान संशोधित अनुमानों पर ₹ 1,72,780 करोड़ की निवल वृद्धि को दर्शाता है। आयोजना-भिन्न व्यय ने ₹ 92,990 करोड़ की वृद्धि दर्शायी है जबकि आयोजना व्यय में ₹ 79,790 करोड़ की वृद्धि रही है। अन्तर के लिए प्रमुख मदें नीचे दर्शायी गई हैं:

(करोड़ रुपए)

		संशोधित 2013-14	बजट 2014-15	घट-बढ़ कमी(-)/ वृद्धि(+)
आयोजना-भिन्न				
1.	ब्याज भुगतान एवं ऋण चुकाना	380066	427011	(+) 46945
2.	खाद्य सब्सिडी	92000	115000	(+) 23000
3.	रक्षा व्यय	203672	224000	(+) 20328
4.	राज्य सरकारों को अनुदान	60762	68585	(+) 7823
5.	पेंशन	74076	80983	(+) 6907
6.	पुलिस	43148	46427	(+) 3279
7.	पूंजी परिव्यय (रक्षा को छोड़कर)	7804	9998	(+) 2194
8.	डाक घाटा	5880	6908	(+) 1028
9.	लाभांश राहत के लिए रेलवे को सब्सिडी	3530	4030	(+) 500
10.	पेट्रोलियम सब्सिडी	85480	63427	(-) 22053
11.	अन्य आयोजना-भिन्न व्यय	158484	161523	(+) 3039
जोड़ आयोजना-भिन्न व्यय		**1114902**	**1207892**	(+) **92990**
आयोजना				
1.	केन्द्रीय आयोजना	356493	216760	(-)139733
2.	राज्य और संघ राज्य क्षेत्र की आयोजनाओं के लिए केन्द्रीय सहायता	119039	338562	(+)219523
जोड़ आयोजना व्यय		**475532**	**555322**	(+) **79790**
जोड़ व्यय (आयोजना+आयोजना भिन्न)		**1590434**	**1763214**	(+)**172780**

आयोजना-भिन्न

1. वृद्धि मुख्यतया बाजार ऋणों, नकदी प्रबंधन हुंडियों, राजकोषीय हुंडियों, राज्य भविष्य निधियों और प्रारक्षित निधियों पर ब्याज के भुगतान हेतु अधिक आवश्यकता के कारण है।
2. वृद्धि मुख्यतया राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के कार्यान्वयन हेतु प्रावधान के लिए है।
3. रक्षा सेवाओं के पूंजीगत व्यय के अंतर्गत अधिक आवश्यकताओं के कारण।
4. अधिक आवश्यकता सड़कों और पुलों के रखरखाव, पर्यावरण हेतु अनुदान, अभिशासन और राज्य विशिष्ट जरूरतों के कारण है।
5. वृद्धि रक्षा मंत्रालय द्वारा पेंशन भुगतानों और बीएसएनएल में विलयन हुए कर्मचारियों के संबंध में दूरसंचार विभाग द्वारा अधिक जरूरत के कारण है।
6. आंतरिक सुरक्षा के कारण अधिक आवश्यकता।
7. तटरक्षक संगठन हेतु जहाजों, वायुयानों के अधिग्रहण और सीमा सड़कों के निर्माण पर अधिक आवश्यकता के कारण।
8. डाक प्रचालनों हेतु अधिक आवश्यकता के कारण वृद्धि।
9. रेलवे द्वारा सामान्य राजस्व में देय लाभांश की दर में वृद्धि और रेलवे को सब्सिडी की दर में वृद्धि के कारण।
10. पेट्रोलियम उत्पादों की बिक्री के कारण तेल कंपनियों की कम वसूलियों के चलते कम क्षतिपूर्ति से कम मांग के कारण कमी।

आयोजना

1. कमी मुख्यतया राज्य आयोजना हेतु केंद्रीय सहायता की केंद्रीय आयोजनों स्कीमों की पुनर्संरचना के कारण हुई है।
2. वृद्धि मुख्यतया राज्य आयोजना हेतु केंद्रीय सहायता की केंद्रीय आयोजनों स्कीमों की पुनर्संरचना के कारण हुई है।